प्रथम सप्ताह

१. सत्र की शुरुआत (पूर्वभूमिका)

हरि ॐ बच्चों !! आज की कहानी में हम जानेंगे कि कैसे भगवत ध्यान और जप के प्रभाव से एक बालक की भूत प्रेत से रक्षा हुई और चोरी के झूठे इल्जाम से बच पाया ! फिर हम जानेंगे कि कब और किस स्थान पर जप करने से कितना लाभ होता है ? स्वास्थ्य सुरक्षा में हम जानेंगे कि आलू और आलू की चिप्स खाने से क्या नुकसान होता है? इसके अलावा ज्ञान का चुटकुला, ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता, कीर्तन, खेल, प्राणायाम, योगासन और अंत में पूज्य बापूजी के श्री मुख से सुनेंगे पावन सत्संग ।

तो आइए, पूज्य गुरुदेव का स्मरण करते हुए शुरू करते हैं आज का बाल संस्कार केंद्र -

२. प्राणायाम, जप, ध्यान

कीर्तन- अब हम कीर्तन करते हुए अपने स्थान पर खड़े होकर थोड़ी देर नृत्य करेंगे ।

https://youtu.be/7yMWmhcJXR

बच्चों, अब हम मंत्रोच्चारण और स्तुति करेंगे। सभी बच्चे अनामिका उँगली से तिलक के स्थान पर स्पर्श करते हुए मंत्र बोलेंगे ।

ॐ गं गणपतये नमः, ॐ श्री सरस्वत्यै नमः,

ॐ श्री गुरूभ्यो नमः

शिखा स्पर्श : सभी बच्चे शिखा के स्थान पर हाथ लगाकर मंत्र उच्चारण करेंगे -

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव ।

यद् भद्रं तन्न आ सुव ॥ ॐ

(हे विश्व के देव ! हमारे सम्पूर्ण दुर्गुणों को दूर करें, और ब्रह्माण्ड में जो भी कल्याणकारक, शुभ गुण, कर्म, स्वभाव, सुख हैं वो हमें प्राप्त हों ।)

अब सभी बच्चे करेंगे “ॐकार” गुंजन

https://youtu.be/IpaxAhv-9LM

(2 मिनिट)

बच्चों, अब हम सब त्राटक करेंगे। त्राटक से हमारी एकाग्रता और याद शक्ति बढ़ती है ।

https://youtu.be/XxWfEjHbqCI (1 मिनिट चलायें ।)

3. आओ सुनें कहानी

भगवत ध्यान और जप का प्रभाव

दो लड़के आठवीं कक्षा में पढ़ते थे एक पढ़ाई में पीछे था और एक अच्छे नंबर लाता था। पीछे नंबर लाने वाले लड़के ने पहले लड़के से पूछा कि तुम्हारा नंबर अच्छा कैसे आता है? तब उस अच्छे नंबर वाले लड़के ने कहा मुझे गुरुजी ने सिखाया है, नींद से उठो तो बिस्तर पर संकल्प करो कि आज जो काम करूंगा तत्परता से करूंगा, फिर जो स्वास चले उधर के पैर को पहले नीचे रखना, फिर ध्यान करना, सूर्य के प्रकाश को देखना। तब उस लड़के ने कहा मुझे भी गुरुजी के पास ले चलो।

वह उसे भी गुरुजी के पास ले गया। गुरुजी ने उसे भी सत्संग में ध्यान करना सिखा दिया । गुरुजी से ध्यान सीखने के बाद वो रोज नियम से ध्यान करता था एक दिन भी नहीं चूकता था और जब भी खाली समय मिलता तो वो ध्यान करता । अब उस में लड़के को आनंद आने लगा ।

एक दिन वह अपने पिता के साथ जंगल से लकड़ियां काटने गया, वहां पर शाम हो गई, उन्होंने बैलों को चारा चरने के लिए खोल दिया और स्वयं खाना खाने बैठ गए । खाना खाकर उठे तो देखा बैल कहीं नहीं मिल रहे हैं । पिता ने कहा बेटे, तुम यही रुको, गाड़ी का ध्यान रखो, मैं बैल ढूंढने जाता हूं । लड़का बैलगाड़ी के नीचे बैठकर जप ध्यान करने लग गया और पिता बैल ढूंढते ढूंढते नगर में चले गए । इतने में घर पर कोई मेहमान आ गया तो पिता को देर हो गई, और नगर का मुख्य द्वार बंद हो गया । बेटा जंगल में और बाप घर में ।

जहां लड़का ध्यान में बैठा था, वहां पास में श्मशान था । वहां भूत-प्रेतों की टोली आ गई वह लड़के को डराने लगी, परंतु लड़का तो भगवान के ध्यान में तल्लीन था उसे कुछ फर्क नहीं पड़ा, भूतों की दाल नहीं गली । भूतों का मुखिया बोला, यह ऊंची आत्मा है इसकी पूजा करो । राज दरबार से सोने की थाल लाकर पकवान आदि उसके स्वागत में रखें, पर वह तो ध्यान में था, उसने देखा ही नहीं, तब तक

सुबह हो गई, प्रेतों ने थाल गाड़ी में रख दिया । इधर राजा के दरबार में हलचल हो गई कि थाल कहां गायब हो गया? चारों ओर सिपाही भेजे गए । सिपाही ढूंढते ढूंढते उसी बैलगाड़ी के पास पहुंचे और देखा कि थाल गाड़ी में रखा है । सिपाहियों ने उस लड़के को चोर समझकर राजा के दरबार में ले गए और उसके पिता को भी घर से पकड़ कर ले आए।

दरबार की कार्यवाही आरंभ हुई । पिता ने सारी बात सच-सच बता दी कि मैं तो घर रह गया था और यह जंगल में था। लड़के ने निडरता से कहा कि मैंने चोरी नहीं की है । उसकी निर्भयता और चेहरे का तेज देखकर राजा को पक्का हुआ कि इसने चोरी नहीं की है, लेकिन अगर चोर चोरी करके ले जाते तो इसकी गाड़ी में क्यों छुपाया? सोने का थाल पहुंचा कैसे वहां पर? किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था । फिर राजा ने यह बात भगवान बुद्ध को बताइ और रहस्य बताने का निवेदन किया । भगवान बुद्ध ने ध्यान लगाकर सारी बात जान ली और कहा कि सोने का थाल भूत-प्रेत इसकी सेवा करने के लिए ले गए थे। जो भगवान में मग्न रहते हैं उनकी सेवा भूत तो क्या देवता, मनुष्य, गंधर्व, यक्ष, किन्नर सभी करते हैं।

तो देखा बच्चों, इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जो अपने गुरु के बताए हुए जप और ध्यान के

नियम को रोज करता है, वो किसी भी परिस्थिति में डरता नहीं और उसका कोई अमंगल कर ही नहीं सकता।

4. भजन / पाठ

आज हम एक भक्ति पूर्ण भजन गायेंगे -
साधो, साधना नहीं भुलाना ... !!
https://youtu.be/lgNRcZGs7Js

5. ज्ञान का चुटकुला

टीचर - Escalator की हिंदी में परिभाषा बताओ..?
छात्र - मैं ठहरा रहा, जमीं चलने लगी..!

सीख : ज्यादा फ़िल्मी गाने नहीं सुनने चाहिए और उसका उपयोग करके बातें नहीं करनी चाहिए ।

6. संस्कृति सुवास :-

जप कहाँ करें ?

साधारण जगह पर जप की अपेक्षा तुलसी की क्यारी के नजदीक एक जप दस जप के बराबर होता है। देवालय अथवा आश्रम में एक जप सौ गुना ज्यादा फल देता है। ब्रह्मवेत्ता गुरु के आगे किया एक जप हजारों गुना फल देता है। सोमवती अमावस्या और ऐसी मंगलमय तिथियों के दिनों में जप का फल 10 हजार गुना होता है। सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण में लाख गुना हो जाता है। दुष्कर्मों का त्याग करके किये गये जप का फल अनंत गुना हो जाता है। इस प्रकार गुना-गुना के प्रभाव से जप की संख्या शीघ्र ही करोड़ों तक पहुंचाती है।

7. स्वास्थ्य सुरक्षा

अभागे आलू से सावधान !

आलू को आयुर्वेद में सबसे रद्दी कंद कहा गया है। आलू की सब्जी स्वास्थ्य के लिए हितकारी नहीं है ।

आलू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है, जो कैलोरी बढ़ाता है, और मोटापे का कारण बनता है। अंकुरित आलू से एलर्जी की समस्या होती है। आलू में अधिक पोटेशियम होने से हाइपरकलेमिया का कारण बनता है, इससे छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, मतली और उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आलू का सेवन डायबिटीज, डायरिया, गठिया, ब्लड प्रेशर की समस्या और बढ़ा सकता है ।

8. श्लोक :-

वासुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम् ।
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वंदे जगद्गुरुम् ।।

अर्थ: वसुदेव के पुत्र, कंस और चाणूर का वध करने वाले, देवकी को परमानंद (अत्यधिक खुशी) देने वाले और जगत के गुरु भगवान कृष्ण को मैं प्रणाम करता हूँ।

9. गतिविधि

आज २१ जून रविवार को रविवारी सप्तमी (विजया सप्तमी) है तथा व्यतिपात योग भी है तो आज हम बच्चे सारस्वत्य मंत्र का अधिक से अधिक जप करेंगे । एवं पूज्य बापूजी के उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य मंत्र का जप करेंगे ।

10. क्विज़

अब बारी है ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता की । आपको एक प्रश्न पूछा जाएगा, उत्तर में चार विकल्प होंगे और आपको 10 सेकंड में सही उत्तर बताना है । प्रश्न है,-

“ महाभारत की शुरुआत में भगवान श्रीकृष्ण ने कौन सा शंख बजाया था?” - विकल्प है -

A) पांचजन्य शंख

B) महाशंख

C) देवदत्त शंख

D) पौंड्रक शंख

प्रश्न का सही उत्तर आपको सत्र के अंत में बताया जायेगा ।

11. श्री आशारामायण पाठ

बच्चों, अब हम सभी श्री आशारामायणजी की पंक्तियां दोहराएंगे । https://youtu.be/bl57Gh3T4ps (कुछ पंक्तियों का पाठ करवाएं।)

12. सत्संग श्रवण

अब हम पूज्य बापूजी के श्रीमुख से सत्संग में सुनेंगे-

भगवान के नामजप से क्या फायदा ?

https://youtu.be/RdvpetEDfUU

13. प्रश्नोत्तरी

तैयार हो जाइए प्रश्नोत्तरी के लिए -

- कहानी में जब बैल खो गए तो लड़के ने क्या किया?
- सैनिकों ने लडको को चोर क्यों समझ लिया?
- राजा को कैसे पता चला कि लड़का चोर नहीं है?
- वास्तिवकता में चोर कौन था?

- नियम को दृढ़ता पूर्वक पालन करने से क्या लाभ होता है?
- पूज्य बापूजी आज भी किन नियमों का सदैव पालन करते हैं?
- कब जप करने से लाख गुना फल होता है?
- आज के सत्संग से आपको क्या सीख मिलती है?

14. पूर्णाहूति

आरती - सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

नारायण नारायण नारायण नारायण।

इसी के साथ हमारा आज का बाल संस्कार केंद्र संपन्न होता है अगले सप्ताह फिर मिलेंगे बच्चो एक नए ज्ञान वर्धक विषय के साथ। तब तक के लिए हरि ॐ!!!

दीपज्योति एवं आरती -

सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

प्रार्थना :

ॐ असतो मा सद्गगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय,

मृत्योर्मामृतं गमय ॥

ॐ शान्ति शान्ति शान्तिः

हे ईश्वर, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो ।

प्रतियोगिता का उत्तर - ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है - A) पांचजन्य शंख ।

****

दूसरा सप्ताह

१. सत्र की शुरुआत (पूर्वभूमिका) :-

हरि ॐ बच्चों, किस किस को अँधेरे में डर लगता है ? आज हम गांधीजी के बचपन की एक कहानी सुनेंगे जब उन्हें भी बहुत डर लगता था । फिर उनका डर कैसे दूर हुआ वो प्रयुक्ति भी जानेंगे ।

स्वास्थ्य सुरक्षा में हम जानेंगे कि अब वर्षाऋतु में हमें क्या-क्या करना चाहिए ? संस्कृति सुवास में हम जानेंगे कैसे पता चले की हमारे कितने जप हो गए ? इसके अलावा ज्ञान का चुटकुला, ज्ञान विज्ञानं प्रतियोगिता प्रश्न, भजन और अंत मे पूज्य बापूजी के श्री मुख से सत्संग में सुनेंगे- श्री योग वशिष्ठ महारामायण ।

तो आइये, पूज्य गुरुदेव का स्मरण करते हुए शुरू करते है आज का बाल संस्कार केंद्र -

२. प्राणायाम, जप, ध्यान

अब सभी बच्चे अपने स्थान पर खड़े होकर थोड़ी देर पंजों के बल उछलकूद करेंगे, जिससे शरीर और मस्तिस्क में रक्त का अनुकूल प्रवाह बढ़ेगा और चुस्ती फुर्ती मे मदद मिलेगी ।

बच्चों, अब सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर बेठ जाएंगे, कमर सीधी, ज्ञान मुद्रा में 'हरि ॐ' का गुंजन करेंगे।

अब सभी अनामिका उँगली से तिलक के स्थान पर स्पर्श करते हुए मंत्र बोलेंगे और हाथ जोड़कर पूज्य सद्गुरुदेव की प्रार्थना करेंगे -

https://youtu.be/7yMWmhcJXRI

ॐ गं गणपतये नमः,

ॐ श्री सरस्वत्यै नमः

ॐ श्री गुरूभ्यो नमः

बच्चों, अब हम सब त्राटक करेंगे । त्राटक से हमारी एकाग्रता और याद शक्ति बढ़ती है ।

https://youtu.be/XxWfEjHbqCI

3) आओ सुनें कहानी :-

भूत का डर भाग गया...!!

रात बहुत काली थी और मोहन डरा हुआ था । हमेशा से ही उसे भूतों से डर लगता था। वह जब भी अँधेरे में अकेला होता, उसे लगता की कोई भूत आस-पास है और कभी भी उस पर झपट पड़ेगा और आज तो इतना अँधेरा था कि कुछ भी स्पष्ट नहीं दिख रहा था , ऐसे में मोहन को एक कमरे से दूसरे कमरे में जाना था ।

वह हिम्मत कर के कमरे से निकला, पर उसका दिल जोर-जोर से धडकने लगा और चेहरे पर डर के भाव आ गए । घर में काम करने वाली रम्भा वहीं दरवाजे पर खड़ी यह सब देख रही थी ।

“क्या हुआ बेटा ?”, उसने हँसते हुए पूछा ।

“मुझे डर लग रहा है दाई” मोहन ने उत्तर दिया ।

“डर ??? बेटा किस चीज का डर ?”

“देखिये कितना अँधेरा है ! मुझे भूतों से डर लग रहा है!” मोहन सहमते हुए बोला ।

रम्भा ने प्यार से मोहन का सर सहलाते हुए कहा, “जो कोई भी अँधेरे से डरता है वो मेरी बात सुने... राम जी के बारे में सोचो तो कोई भूत तुम्हारे निकट आने की हिम्मत नहीं

करेगा। कोई तुम्हारे सर का बाल तक नहीं छू पायेगा । राम जी तुम्हारी रक्षा करेंगे ।"

रम्भा के शब्दों ने मोहन को हिम्मत दी । राम नाम लेते हुए वो कमरे से निकला और उस दिन से मोहन ने कभी खुद को अकेला नहीं समझा और भयभीत नहीं हुआ । उसका विश्वास था कि जब तक राम उसके साथ हैं उसे डरने की कोई ज़रुरत नहीं ।

इस विश्वास ने गाँधी जी को जीवन भर शक्ति दी, और मरते वक़्त भी उनके मुख से राम नाम ही निकला । सभी बच्चे जोर से बोलेंगे श्री सदगुरुदेव भगवान की जय....

4. ज्ञान का चुटकुला :

एक बनिया अंतिम सांसे ले रहा था और

बोला : मेरी पत्नी कहां हैं ?

पत्नी : मैं यही हूँ ।

बनिया : मेरी बेटी कहां हैं ?

बेटी : यही हूं पापा ।

.

बनिया : मेरा बेटा कहां हैं ?

बेटा : यही हूँ पापा ।

बनिया : अरे, सब यहा हैं फिर दुकान पर कौन हैं?

सीख : पूरा जीवन जो करते है वही मरते समय याद आता है । इसलिए प्रतिदिन जप ध्यान का अभ्यास जरुर करना चाहिए । ताकि अंत समय में प्रभु की याद आये ।

5. श्लोक :-

राम रामेति रामेति, रमे रामे मनोरमे।
सहस्रनाम तत्तुल्यं, रामनाम वरानने॥

अर्थ :- जो व्यक्ति सच्चे मन से केवल "राम" नाम का जप करता है, उसे भगवान विष्णु के एक हज़ार दिव्य नामों का जाप करने के बराबर पुण्य और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो जाती है।

यह मंत्र अत्यंत सरल होने के साथ-साथ अत्यंत शक्तिशाली माना गया है। इस श्लोक को श्री राम तारक मंत्र भी कहा जाता है। इसे एकादशी के दिन जरुर जपना चाहिए ।

6. क्विज़

अब बारी है ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता की ।

आपको एक प्रश्न पूछा जाएगा, उत्तर में चार विकल्प होंगे और आपको 10 सेकंड में सही उत्तर बताना है ।

प्रश्न है,- "रामायण महाकाव्य की मूल रचना किस महर्षि द्वारा की गई थी?" विकल्प है -

A. महर्षि वेदव्यास

B. महर्षि वाल्मीकि

C. महर्षि वशिष्ठ

D. महर्षि विश्वामित्र

प्रश्न का सही उत्तर आपको सत्र के अंत में बताया जायेगा ।

7. योगासन

वज्रासन

बच्चों, आज हम आपको एक ऐसा योगासन बता रहे हैं जिसका रोज अभ्यास करने से शरीर वज्र जैसा बनता है, मन की चंचलता दूर होती है, शरीर में रक्त का कुशल संचरण होता है, व्यक्ति निरोगी एवं सुन्दर बनता है। यह आसन भोजन के बाद भी किया जा सकता है. इससे पाचन शक्ति तेज होती है, कब्ज दूर होती है, भोजन जल्दी हज्म होता है, वायु का नाश होता है। रीढ़, कमर, जाँघ, घुटने और पैरों में शक्ति बढ़ती है। कमर और पैर का वायु रोग दूर होता है। वीर्यदोष, घुटनों का दर्द आदि का नाश होता है। स्नायु पुष्ट होते हैं। ध्यान के लिये भी यह आसन उत्तम है। इस आसन का नाम है वज्रासन. विधिः आसन पर दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर एड़ियों पर बैठ जायें। पैर के दोनों अंगूठे परस्पर लगे रहें। पैर के तलवों के ऊपर नितम्ब रहे। कमर और पीठ बिल्कुल सीधी रहे, दोनों हाथ को घुटनों पर रख दें। हथेलियाँ नीचे की ओर रहें। दृष्टि सामने स्थिर कर दें। पाँच मिनट से लेकर आधे घण्टे तक वज्रासन का अभ्यास कर सकते हैं। वज्रासन लगाकर भूमि पर लेट जाने से सुप्त वज्रासन होता है।

8. संस्कृति सुवास :-

हमें कैसे पता चले कि हमारा कितना जप हो गया है?

- स्वप्न में गुरु अथवा संत के दर्शन होने लगें तो समझो एक करोड़ जप का फल फलित हो गया।
- दो करोड़ जप हुआ तो धन की प्राप्ति होगी, कुटुम्ब का वियोग नहीं होगा।
- तीन करोड़ जप पूरा होने पर असाध्य कार्य साध्य हो जाता है।
- चार करोड़ जप हो जाता है तो शरीर और मन के आघात नहीं के बराबर हो जायेंगे। मानसिक उपद्रव की घटनाओं में मन निर्लेप रहेगा।
- पाँच करोड़ जप पूरा होने पर पाँचवाँ स्थान-पुत्र स्थान शुद्ध हो जायेगा। अपुत्रवान को आप पुत्र देने की युक्ति सिद्ध कर लेंगे। (क्रमश:)

- छः करोड़ जप पूरा होने पर कोई आपसे शत्रुता नहीं रख सकेगा। किसी ने शत्रुता की तो प्रकृति उसको दंडित करेगी।

9) भजन :-

अब सभी बच्चे गाएंगे प्यारा सा भजन -

भज मन राम राम राम, मेरे राम राम राम...

https://youtu.be/wshYCKpKn1s

10) स्वास्थ्य सुरक्षा :-

वर्षा ऋतू विशेष

ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक दुर्बलता को प्राप्त हुए शरीर को वर्षा ऋतु में धीरे-धीरे बल प्राप्त होने लगता है। आर्द्र (नमीयुक्त) वातावरण जठराग्नि को मंद कर देता है। शरीर में पित्त का संचय व वायु का प्रकोप हो जाता है। परिणामतः वात-पित्तजनित व अजीर्णजन्य रोगों का प्रादुर्भाव होता है। अतः इन

दिनों में जठराग्नि को प्रदीप्त के करनेवाला, सुपाच्य व वात-पित्तशामक आहार लेना चाहिए।

सावधानियाँ :-

१. भोजन में अदरक व नींबू का प्रयोग करें । वर्षाजन्य रोगों में बहुत लाभदायी है।

२. गुनगुने पानी में शहद व नींबू का रस मिलाकर सुबह खाली पेट लें। यह प्रयोग सप्ताह मैं ३-४ दिन करें।

३. प्रातःकाल में सूर्य की किरणें नाभि पर पड़े इस प्रकार वज्रासन में बैठ के श्वास बाहर निकालकर पेट को अंदर-बाहर करते हुए बीजमंत्र का जप करें। इससे जठराग्नि तीव्र होगी,!

४. भोजन के बीच गुनगुना पानी पीयें

५. सप्ताह में एक दिन उपवास रखें निराहार रहे तो उत्तम, अन्यथा दिन में एक बार अल्पाहार लें।

11. श्री आशारामायण पाठ

बच्चों, अब हम श्री आशारामायण की कुछ पंक्तियां दोहराएंगे ।

https://youtu.be/bl57Gh3T4ps

12. सत्संग श्रवण

अब हम सुनेंगे पूज्य बापूजी की अमृतमयी वाणी ...

श्री योग वशिष्ठ महारामायण

https://youtu.be/OQUat9al6FE?list=PLE05E5501E02FD726

13. प्रश्नोत्तरी

तैयार हो जाइए प्रश्नोत्तरी के लिए -

- मोहन को किससे डर लगता था ?
- रम्भा ने मोहन को क्या समझाया ?
- बाद में गांधीजी निडर कैसे बन गये ?
- आज की कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
- तले हुए आलू से क्या क्या नुकशान होता है ?
- हमें कैसे पता च्चाले कि हमारे १ करोड जप पूरे हो गए है ?
- श्री राम तारक मंत्र बताओ ।
- आज के सत्संग से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

14. पूर्णाहूति :-

<u>दीपज्योति एवं आरती</u>

सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

प्रार्थना :

ॐ असतो मा सद्गगमय,

तमसो मा ज्योतिर्गमय,

मृत्योर्मामृतं गमय ॥

ॐ शान्ति शान्ति शान्तिः

हे ईश्वर, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो ।

नारायण नारायण नारायण नारायण ।

इसी के साथ हमारा आज का बाल संस्कार केंद्र संपन्न होता है अगले सप्ताह फिर मिलेंगे बच्चो ! एक नए ज्ञानवर्धक विषय के साथ। तब तक के लिए हरि ॐ !!!

ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है । ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है ।

उत्तर: **B.** महर्षि वाल्मीकि

****